1857 का विद्रोह

1 परिचय

- 1857 का विद्रोह **ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी** के शासन के विरुद्ध हुआ।

- इसे भारत का **प्रथम स्वतंत्रता संग्राम** भी कहा जाता है।

- विद्रोह की शुरुआत **10 मई 1857** को **मेरठ** से हुई।

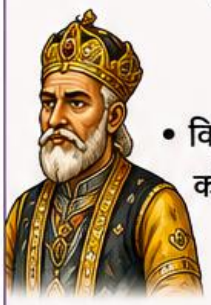

- विद्रोहियों ने **बहादुर शाह ज़फ़र** को अपना नेता घोषित किया।

2 विद्रोह के प्रमुख कारण

राजनीतिक कारण

- अंग्रेजों की **हड़प नीति** से कई राज्यों का विलय हुआ।
- **सतारा, झाँसी** और **नागपुर** का अंग्रेजों ने विलय किया।
- 1856 में **अवध** का विलय भी असंतोष का कारण बना।

आर्थिक कारण

- किसानों पर भारी भूमि-राजस्व लगाया गया।
- भारतीय कारीगरों और हस्तशिल्प को नुकसान हुआ।
- जमींदारों और भू-स्वामियों के अधिकार प्रभावित हुए।

सामाजिक एवं धार्मिक कारण

- भारतीयों को अपनी धार्मिक परंपराओं में हस्तक्षेप का भय था।
- ईसाई मिशनरियों की गतिविधियों को लेकर असंतोष था।

सैनिक कारण

- भारतीय सैनिकों के साथ भेदभाव किया जाता था।
- उच्च सैन्य पदों पर भारतीयों के अवसर सीमित थे।
- वेतन और सुविधाओं में असमानता थी।

3 तात्कालिक कारण

- एनफील्ड राइफ़ल के कारतूसों को लेकर विवाद हुआ।
- कारतूसों में **गाय** और **सूअर की चर्बी** होने की खबर थी।
- कारतूस को प्रयोग करने से पहले दाँत से काटना पड़ता था।
- इससे **हिंदू** और **मुस्लिम** सैनिकों में **आक्रोश** फैल गया।

4 प्रारंभिक घटनाएँ

29 मार्च 1857

बैरकपुर में **मंगल पांडे** की घटना।

10 मई 1857

मेरठ में सैनिकों का विद्रोह।

11 मई 1857

विद्रोही सैनिक दिल्ली पहुँचे।

बहादुर शाह ज़फ़र

को नेता घोषित किया गया।

1857 का विद्रोह

5 प्रमुख केंद्र एवं नेता

केंद्र	प्रमुख नेता
दिल्ली	बहादुर शाह ज़फ़र
कानपुर	नाना साहेब
झाँसी	रानी लक्ष्मीबाई
लखनऊ	बेगम हजरत महल
बिहार	कुंवर सिंह
बरेली	खान बहादुर खान
फैजाबाद	मौलवी अहमदुल्लाह शाह

6 बिहार की भूमिका

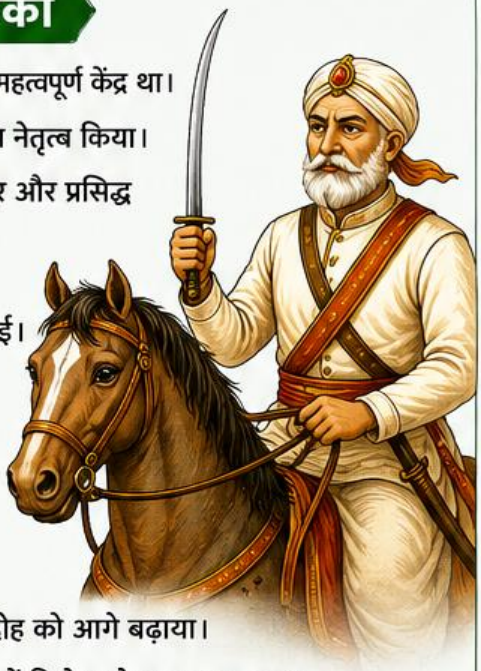

- ★ बिहार 1857 के विद्रोह का एक महत्वपूर्ण केंद्र था।
- ★ कुंवर सिंह ने बिहार में विद्रोह का नेतृत्व किया।
- ★ वे जगदीशपुर के प्रमुख जमींदार और प्रसिद्ध विद्रोही नेता थे।
- ★ उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध गुरिल्ला युद्ध की रणनीति अपनाई।
- ★ आरा 1857 के विद्रोह का प्रमुख केंद्र बना।
- ★ कुंवर सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ अंग्रेजी सेना का कई स्थानों पर सामना किया।
- ★ उनके भाई अमर सिंह ने भी विद्रोह को आगे बढ़ाया।
- ★ कुंवर सिंह की भूमिका ने बिहार में विद्रोह को मजबूत बनाया।

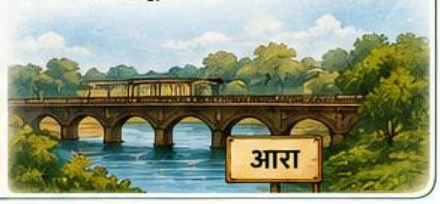

7 विद्रोह की असफलता के कारण

- विद्रोह पूरे भारत में नहीं फैल सका।
- एकीकृत नेतृत्व का अभाव था।
- संगठन और समन्वय की कमी थी।
- हथियारों और संसाधनों की कमी थी।
- कई भारतीय शासकों ने अंग्रेजों का साथ दिया।
- अंग्रेजों के पास बेहतर सैन्य शक्ति थी।

8 विद्रोह के प्रमुख परिणाम

- 1858 में ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन समाप्त हुआ।
- भारत सीधे **ब्रिटिश क्राउन** के अधीन आ गया।
- वायसराय का पद स्थापित किया गया।
- भारतीय रियासतों के प्रति ब्रिटिश नीति में बदलाव हुआ।
- भारतीय सेना के संगठन और भर्ती व्यवस्था में परिवर्तन किए गए।
- अंग्रेजों ने भारतीयों की धार्मिक परंपराओं में हस्तक्षेप को लेकर अधिक सावधानी बरतनी शुरू की।

9 परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण तथ्य

- **प्रारंभ:** 10 मई 1857 — मेरठ
- **तात्कालिक कारण:** चर्बी लगे कारतूस
- **बैरकपुर:** मंगल पांडे
- **दिल्ली:** बहादुर शाह ज़फ़र
- **कानपुर:** नाना साहेब
- **झाँसी:** रानी लक्ष्मीबाई
- **लखनऊ:** बेगम हजरत महल
- **बिहार:** कुंवर सिंह
- **बिहार का प्रमुख केंद्र:** आरा और जगदीशपुर
- **कुंवर सिंह के सहयोगी:** अमर सिंह
- **कंपनी शासन का अंत:** 1858
- **भारत का शासन:** ब्रिटिश क्राउन के अधीन